State Level Preparatory Examnation Key Answer

I. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए चार चल विकल्प सुझाए गये हैं , उनमें से सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर उनके संकेत अक्षर सहित पूर्ण रूप से लिखिए : 8x1=8

1. D. बालक 2.B. ईमान 3. A लिफ़ाफ़ा 4. D. रुलाना 5.B. दीर्घ 6.C.द्वंद्व 7. B. की 8.C. प्रश्नवाचक

II. निम्नलिखित प्रथम दो शब्दों के सूचित संबंधों के अनुरूप तीसरे शब्द का संबंधित शब्द लिखिए : 4x1=4

9. मकान की छत 10. महादेवी वर्मा 11. कहानी 12. बलराम

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पूर्ण वाक्य में लिखिए : 4x1=4

13. उत्तर : लेखक प्रेमचंद को सजे हुए गुलाबी सेब नज़र आया।

14. उत्तर: दोनों दोस्त मकान बनाने का निश्चय किया।

15. उत्तर : कवि भगवतीचरण वर्मा भारत माता को प्रणाम कर रहे हैं।

16. उत्तर : धर्म का मूल दया है।

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पूर्ण वाक्य में लिखिए: 8x2=16

17. * आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन के बारे में विचार किया जा रहा है। * टोमाटो को पहले कोई भी न पूछता था। अब टोमाटो भोजन का आवश्यक अंग बन गया है। * गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज थी। * गाजर में भी बहुत विटामिन है। अमीर लोग तो उसका हलवा ही खाते थे। * रोज एक सेब खाने से डॉक्टरों की जरूरत नहीं पड़ती है।

18.* लेखिका को मोटर-दुर्घटना में घायल होकर कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा। * उन दिनों लेखिका के कमरे का दरवाजा खोलते ही गिल्लू अपने झूले से उस ओर दौड़ता। * किंतु वह किसी दूसरे को देखकर तुरंत तेजी से वापस अपने झूले से उस ओर दौड़ता।

* गिल्लू अपना प्रिय खाद्य काजू बहुत कम खाता रहता था। * उन दिनों गिल्लू उदास रहता था। * लेखिका की अस्वस्थता में उनके तकिए के सिरहाने बैठकर अपने नन्हें-नन्हें पंजों से उसके सिर और बाल सहलाता था।

19.सम्मेलन में लेखक परसाई जी को इसलिए बुलाया गया था कि देश के प्रसिद्ध ईमानदार थे और सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए।

20.उत्तर : क्योंकि साधोराम सक्सेना परिवार में वापस काम करने जुड़ता है। शाम को रोबोनिल और रोबोदीप मिले। रोबोदीप बोला, 'मुझे खुशी है कि हमारे कारण किसी इंसान को नुकसान नहीं झेलना होगा।'

21. * भारत माता अमरों की जननी है। * भारत माता की उर में गांधी, बुद्ध और राम जैसे महान पुरुष शायित थे। * भारत के वन-उपवन फल-फूलों से युत हैं। * खनिजों का व्यापक धन मातृभूमि के अंदर भरा हुआ है। * भारत माता के एक हाथ में न्याय का पताका है और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है।

22. बलराम का ष्ण के माता-पिता के बारे में कहता है कि, यशोदा और नंद माता-पिता नहीं है। यशोदा और नंद का रंग गोरा है।

* रंग काला है। तुझे उन्होंने मोल लिया है।

23.शनि को सुंदर एवं मनोहर ग्रह क्यों माना जाता है ?

अथवा

शनि को 'ठंडा ग्रह' क्यों कहते हैं ?

उत्तर : * शनि ग्रह के चारों ओर वलय (गोल) दिखाई देते हैं।

ये वलय अत्यंत विस्तृत और स्पष्ट है। * प्रकृति ने इस ग्रह के गले में खूबसूरत हार डाल दिये हैं। शनि के इन वलयों या कंकणों ने इस ग्रह को सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह बनाया है। अथवा

शनि ग्रह सूर्य से पृथ्वी की अपेक्षा करीब दस गुना अधिक दूर है। * इसलिए बहुत कम सूर्यताप शनि ग्रह तक पहुँचता है - पृथ्वी का मात्रा सौवाँ हिस्सा। * इसलिए शनि के वायुमंडल का तापमान शून्य के नीचे 150° सेंटीग्रेड के आसपास रहता है। * शनि एक अत्यंत ठंडा ग्रह है।

24. लेखक के अनुसार सत्य का क्या स्वरूप है ? अथवा

किन्ही दो नागरिकों के कर्तव्य लिखिए।

उत्तर: * सत्य ! बहुत भोला-भाला बहुत ही सीधा-सादा होता है। * जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा, यही तो सत्य है।
* दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान की प्रतिलिपि है, आत्म की वाणी। * बिना नमक - मिर्च लगाए बोलना ही सत्य है। अथवा
* अपने देश के राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय त्योहार आदि का आदर करना चाहिए।व * अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना चाहिए। * जाति, धर्म, भाषा, प्रदेश, वर्ग पर आधारित सभी भेद-भावों से टूर रहना चाहिए।

V.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए : 9x3=27

25.उत्तर : जलालुद्दीन कलाम जी को हमेशा शिक्षित व्यक्तियों , वैज्ञानिक खोजों , समकालीन साहित्य और चिकित्सा विज्ञान की उपलब्धियों के बारे में बताते रहते थे। वही थे जिन्होंने कलाम जी को सीमित दायरे से बाहर निकालकर नई दुनिया का बोध कराया। इस तरह कलाम केचरित्र निर्माण में दीन का योगदान है।

26.उत्तर: * पंडित राजकिशोर मजदूरों के नेता थे। * पंडित राजकिशोर किशनगंज में रहते थे। * पं. राजकिशोर गरीबों के प्रति सहानुभूति दिखाने वाले व्यक्ति। * पं.राजकिशोर बसंत के आग्रह पर, उसे सहायता करने की दृष्टि से एक छलनी खरीदते हैं। * प्रताप से बसंत की मोटर दुर्घटना का समाचार सुनते ही तुरंत उसके घर पहुँचते हैं। * बसंत का इलाज कराने के लिए डॉक्टर को बुलाते हैं। * बसंत को अस्पताल ले जाने का प्रबंध भी करते हैं। * पंडित राजकिशोर दोनों भाइयों के साथ रहकर सांत्वना देते हैं।

27.उत्तर: बेंगलुरु कर्नाटक की राजधानी है। यहाँ देश-विदेश के लोग आकर बस गये हैं। बेंगलुरु शिक्षा का ही नहीं बल्कि बड़े-बड़े उद्योग-धंधे का केंद्र भी है।बेंगलुरु में प्रसिद्ध भारतीय संस्थान एच.ए.एल, एच.एम.टी, आइ.टी.आइ, बी.एच.ई.एल,बी.ई.एल, जैसी संस्थाएँ हैं। इसलिए बेंगलरु को सिलिकॉन सिटी कहा जाता है।

28. उत्तर : * बछेंद्रीपाल ने बचपन से एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। * पर्वतारोहण प्रशिक्षण के दौरान उनका कठोर परिश्रम बहुत काम आया। * एवरेस्ट की शिखर चढ़ने पूर्व कालानाग पर्वत और गंगोत्री ग्लेशियर तथा रूड गेरो की चढ़ाई की।

29.* गाँव की गंदगी को दूर करते हैं तथा रोज एक घंटा गाँव की सफाई में लगा देते हैं। * गाँव में कई गड्ढे थे, उनको मिट्टी से ढाँप देते हैं। * गाँव को हरा-भरा रखने के लिए गाँव के चारों तरफ पेड़-पौधे लगाते हैं। * अपने घरों में भी फलदार पेड़ लगाते हैं। * बाल शक्ति टोली के बच्चे स्कूल के परिसर को स्वच्छ रखते हैं।

30. * समय ही जीवन है। * समय अधिक महत्वपूर्ण तत्व उपयोगी होता है। * समय को व्यर्थ जाने नहीं देना चाहिए। * समय बहुत अनमोल है। * समय का महत्व धन से भी ज्यादा है। * सब समय सुसमय होता है। * समय को नष्ट करने से सुख नहीं मिलता है। * आलस को छोड़कर जो काम करना है उसे उसी समय करना हिए। * समय ईश का दिया हुआ अनुपम धन है।

31* आज के मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है। * प्रकृति पर विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है।
* मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धि है। * मानव-मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़ कर आपस की दूरी को मिटाना। * भाईचारे को समझना। * बुद्धि पर हृदय की जीत करना।

32. प्रस्तावना : प्रस्तुत दोहे को ' राम-भक्ति शाखा ' के प्रमुख कवि तुलसीदास जी द्वारा लिखित 'तुलसी के दोहे' से लिया गया है।
भावार्थ : प्रस्तुत दोहे के द्वारा तुलसीदास जी कहते हैं कि जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्या शुद्धि होती है।

33.ಕರ್ನಾಟಕ ಭಾರತ ದೇಶದ ಪ್ರಗತಿಶೀಲ ರಾಜ್ಯವಾಗಿದೆ.ಇಲ್ಲಿನ ಜನಸಂಖ್ಯೆ ಸುಮಾರು 6 ಕೋಟಿಗಿಂತ ಮೇಲಿದೆ ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ.

VI.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छ: वाक्यों में लिखिए : 2x4=8

34."इंटरनेट ने मानव-जीवन को सुविधाजनक बनाया है।" कैसे ? विवरण दीजिए। अथवा
संचार एवं सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का कया महत्व है ?

उत्तर: * इंटरनेट मानव जीवन को सुविधाजनक बनाया है।
* मानव की जीवनशैली और उनकी सोच में क्रांतिकारी परिवर्तन आ है। * इंटरनेट से अनगिनत लोगों को रोजगार मिला है। * इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। * इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजे जा सकती है। * 'वीडियो कॉन्फरेन्स' द्वारा एक जगह पर बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर सकते हैं। * 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है।

* देश के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।

अथवा

* इंटरनेट द्वारा पल भर में, बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। * एक पुस्तकालय की किताबों के विषय को कम समय में कहीं भेज सकते हैं। * इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण of अंग बन गया है। * शायद इंटरनेट के बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं।

35.निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए :

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम, संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागों तुम |

VII. 36. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 4x1=4

अ) उत्तर :किसान का बेल कुएँ में गिरने के कारण रोता रहा।

आ) उत्तर :किसान ने बैल को बूढ़ा हो चुका है उसे बचाने से कोई लाभ नहीं है इसलिए दफनाना चाहा।

इ) उत्तर :फेंकी मिट्टी और गंदगी से सीख लेकर उसे सीढ़ी बनाकर अपने कदमों को आगे बढ़ाना है।

ई) उत्तर :बैल हिल-हिलकर अपनी पीठ पर पड़नेवाली मिट्टी को नीचे गिराता | 1 रहा और कदम-कदम बढ़ाकर मिट्टी पर चढ़ता रहा।

VIII.37. | दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 12-15 वाक्यों में किसी एक विषयन के बारे में निबंध लिखिए : 4x1=4

क) नारी तुम केवल श्रद्धा हो । :

* प्रस्तावना : नारी के सम्बन्ध में मनु का कथन ''पितारक्षति कौमारे……….न स्त्री स्वातंन्त्र्यम् अर्हति।'' वहीं पर उनका कथन ''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता'', भी दृष्टव्य है वस्तुतः यह समस्या प्राचीनकाल से रही है।

* विषय विस्तार :भारतीय दृष्टि से इस पर विचार करने की की जरूरत है। पश्चिम की दृष्टि विचारणीय नहीं। भारतीय सन्दर्भों में समस्या के समाधान के लिए प्रयास हो तो अच्छे हुए हैं। भारतीय मनीषा समानाधिकार, समानता, प्रतियोगिता की बात नहीं करती वह सहयोगिता सहधर्मिती, सहचारिता की बात करती है। इसी से परस्पर सन्तुलन स्थापित हो सकता है। वैदिक एवं उत्तर वैदिक काल में महिलाओं को गरिमामय स्थान प्राप्त था।

* उपसंहार : आज की स्त्री की अस्मिता का प्रश्न मुखर होता जा रहा है। अपने अस्तित्व को बचाये रखने के लिये संघर्ष करती हुई स्त्रियों ने लम्बा रास्ता तय कर लिया है, परन्तु आज भी एक बड़ा हिस्सा सदियों से सामाजिक अन्याय का शिकार है। ''जब-जब स्त्री अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है तब तब जाने कितने रीति-रिवाजों, परम्पराओं पौराणिक आख्यानों की दुहाई देकर उसे गुमनाम जीवन जीने पर विवश कर दिया जाता है।''

ख) नियमित अध्ययन के लाभ :

* विषय प्रवेश : मनुष्य स्वभाव से ही अध्ययनशील प्राणी माना गया है। 'अध्ययन' शब्द का अर्थ है-पढऩा। अध्ययन या पढऩे के मुख्य दो रूप स्वीकारे जाते हैं – एक, विशेष अध्ययन, जो किसी विशेष विषय या विशेष प्रकार की पुस्तकों तक ही सीमित हुआ करता है। दूसरा, सामान्य अध्ययन, जो सभी प्रकार के विषयों और पुस्तकों के साथ-साथ पत्र-पत्रिकांए तथा व्यापक जीवन के प्रत्येक पक्ष पढऩे तक विस्तृत हो सकता है।

* विषय विस्तार पहले विशेष अध्ययन के भी दो रूप माने जा सकते हैं-एक किसी विशेष विषय पर शोध करने के लिए और दूसरा विशेष प्रकार की रूचि के अंतर्गत कुछ विशेष प्रकार की पुस्तकों का अध्ययन। आनंद की प्राप्ति इस प्रकार के अध्ययन से भी निश्चय ही हुआ करती है। पर संसार की विविधता के अनुरूप विविध विषयों के अध्ययन का आनंद अपना अलग और सार्वभौमिक महत्व रखता है। इस प्रकार के अध्ययन से हमारा मनोरंजन तो हुआ ही करता है, हमारे व्यावहारिक ज्ञान का क्षेत्र भी विस्तार पाता है। इसी कारण इस व्यापक अध्ययन को विशेष महत्वपूर्ण स्वीकार किया गया है और इसी को अधिक आनंददायक भी माना जाता है।

* उपसंहार लोग भिन्न-भिन्न रुचियों और लक्ष्यों से अध्ययन में प्रवृत हुआ करते हैं। कुछ लोग धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन में रुचि रखते हैं जबकि दूसरे साहित्यिक पुस्तकों के अध्ययन में। जो हो, सत्य यह है कि रुचि के अनुरूप और कभी-कभी स्वाद बदलने के लिए अन्यान्य विषयों के अध्ययन का आनंद ही निराला है। यह आनंद स्वंय में तो स्वस्थ हुआ ही करता है, जीवन और समाज को भी स्वास्थ्य प्रदान करता है। अत: प्रत्येक व्यक्ति के रुचि और प्रयत्न करके सत्साहित्य के निरंतर अध्ययन की आदत डालनी चाहिए। इसमें प्रवृत्त होने पर ही उन सुख एंव बातों का अनुभव संभव हो सकेगा जो पीछे कही गई हैं और जिनके द्वारा महान कहे जाने वाले व्यक्तियों ने महानता अर्जित करने में सफलता प्राप्त की। अध्ययन का सहज जीवन-यापन ओर सफलता दोनों की सीढ़ी कह सकते हैं।

ग) समय-हमारा सच्चा साथी :

* विषय प्रवेश मनुष्य के जीवन में समय की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। वे व्यक्ति जो समय के महत्व को समझते हैं वही इसका सही उपयोग के प्रगति के पथ पर अग्रसर रहते है। परन्तु दूसरी तरफ वे लोग जो समय के महत्व की अनदेखी करते हैं अथवा समय का दुरपयोग करते हैं वे जीवन भर असफल ही रहते हैं। समय उन्हें पतन की और धकेल देता है। मनुष्य की सफलता और समय का सदुपयोग दोनों ही एक दूसरे के पूरक हैं। आज के प्रतिस्पर्धा के आधुनिक युग में तो समय की महत्ता और भी बढ़ गई है।

* विषय विस्तार वर्तमान में समय गंवाने का अर्थ है प्रगति की राह में स्वयं को पीछे धकेलना। हर एक पल महत्वपूर्ण है क्यूंकि जो गुजर जाता है वह कभी भी वापस लोट कर नहीं आता। सफलता के लिए व्यक्ति समय रहते यदि प्रयास नहीं करते तो जीवन भर ठोकर खाते रहते हैं और उनकी सफलता मृगतृष्णा की भांति उनसे मीलों दूर रहती है। अतः यह आवश्यक है कि यदि संसार में हम एक अच्छा और सफल जीवन व्यतीत करना चाहते हैं तो हम समय के महत्व को समझें और हर पल को ख़ुशी से काम करते रहे। आज के समय में मनुष्य के जीवन में समय का महत्व बहुत ही अधिक है। ये जीवन समय की रफ़्तार से भागता है। सभी के पास समय की कमी रहती है

* उपसंहार समय बहुत ही शक्तिशाली होता है, जो व्यक्ति समय को बर्बाद करता है, समय उसको बर्बाद देता है। इसलिए, अगर आप अपनी ज़िन्दगी में सफल होना चाहते हैं तो आपको अपने समय की कदर करनी होगी। समय सभी के लिए एक मूल्यवान सम्पदा है, इसलिए समय के महत्व को सभी व्यक्तियों को समझना चाहिए और समय के साथ कार्य करना चाहिए, क्योंकि जब प्रकृति के हर एक घटक समय के साथ कार्य कर रहे हैं तो मनुष्य उससे अछूता कैसे रह सकता है। यदि कोई व्यक्ति एक सफल जीवन बिताना चाहता है तो उसे सही समय पर सही फैसले लेने होंगे और सही दिशा में परिश्रम करना होगा। जिन व्यक्तियों ने समय का सदुपयोग किया है, वो आज सफलता की ऊंचाइयों को छू रहे हैं, इसलिए समय महत्व समझ कर सभी लोगों को समय का सदुपयोग चाहिए।

IX. निम्नलिखित विषय के बारे में पत्र लिखिए : 1x5=5

38.

प्रेषक का नाम व पता
सेवा में
सम्बोधन
विषय और विषय विश्लेषण
पत्र की समाप्ती
अथवा
प्रेषक का पता
पत्र पानेवाले का पता
विषय
संबोधन
पत्र का कलेवर
समाप्ति